PGDLL-05

December - Examination 2019

PGDLL Examination

Labour Jurisprudence and the I.L.O.

Paper - PGDLL-05

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 100**

Note: The question paper is divided into three sections A, B and C. Write answers as per the given instructions.

निर्देश : यह प्रश्न पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

Section - A $10 \times 2 = 20$

(Very Short Answer Questions)

Note: Answer **all** questions. As per the nature of the question delimit your answer in one word, one sentence or maximum up to 30 words. Each question carries 2 marks.

खण्ड – 'अ'

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) (i) Regional conferences – क्षैत्रीय सम्मेलन

(ii) Social Justice – सामाजिक न्याय

(iii) Labour Welfare Legislation – श्रम कल्याणकारी विद्यापन

(iv) Convention – अभिसमय

(v) Maternity Benefits – प्रसूति प्रलाभ

(vi) League of Nations – राष्ट्र संघ

(vii) Unfair Labour Practice – अनुचित श्रम अभ्यास

(viii) Employer – नियोजक

(ix) Locus standi – (अधिकारिता) लोकस स्टैण्डी

(x) Voluntary Arbitration – स्वैच्छिक पंचनिर्णय

Section - B **$4 \times 10 = 40$**

(Short Answer Questions)

Note: Answer **any four** questions. Each answer should not exceed 200 words. Each question carries 10 marks.

(खण्ड – ब)

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

2) What are the objects of "Treaty of Versailes". Discuss.
''वर्साइल की संधि'' के उद्देश्य क्या है? समझाइये।

3) Define "Code of Discipline". What are it's objects. Explain.
अनुशासन संहिता को परिभाषित कीजिए। अनुशासन संहिता के क्या उद्देश्य है। समझाइयें।

4) Explain "Social Action Litigation".
''सामाजिक अनुयोजन मुकदमा'' की विवेचना कीजिये।

5) Natural Justice is very important concept to protect interest of Labour. How? Explain.
श्रमिको के हित संरक्षण में नैसर्गिक (प्राकृतिक) न्याय की अवधारणा महत्वपूर्ण मानी गई है, कैसे? समझाइयें।

6) Discuss the various provisions of the Constitution of India relating to Evolution of Labour Jurisprudence in India.
भारत मे श्रम विधिशास्त्र के विकास से सम्बंधित भारतीय संविधान के प्रावधानो की विवेचना कीजिये।

7) Write short note on Tripartism in Labour Policy.
श्रम नीति में त्रिपक्षवाद पर संक्षिप्त लेख लिखिये।

8) What procedure are to be followed for Ratification of conventions and Recommendations of I.L.O.
अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (I.L.O.) के अभिसमयो एवं सिफारिशो के अनुसमर्थन मे क्या प्रक्रिया अपनाई जाती है।

9) What are the principles of social Justice explain.
सामाजिक न्याय के सिद्धान्त क्या है। समझाइये।

Section - C $2 \times 20 = 40$

(Long Answer Questions)

Note: Answer **any two** questions. You have to delimit your each answer maximum up to 500 words. Each question carries 20 marks.

(खण्ड – स)

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 500 शब्दों में परिसीमित करना है। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

10) What are the various methods for settlement of industrial disputes. Explain in details.
औद्योगिक विवादों के निस्तारण के लिए विभिन्न तरीके क्या है? विस्तृत मे समझाइये।

11) Define 'Labour Jurisprudence'. Discuss the Development of Labour Jurisprudence in India.
श्रम विधिशास्त्र को परिभाषित कीजिए। भारत मे श्रम विधिशास्त्र के विकास को समझाइये।

12) Discuss the composition and main functions of international labour organisation.
अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन के गठन एवं मुख्य कार्यो का उल्लेख कीजिए।

13) State the facts, contentions of the parties, judgement and principles of law laid down in the following case :

People's union for democratic Rights and others Vs. Union of India, 1982 II LLJ. 454 (S.C.)
पीपल्स युनियन फॉर डेमोक्रेटिक राइट्स एवं अन्य बनाम् भारत संघ 1982 द्वितीय एल. एल. जे 454 (एस.सी.) बाद के तथ्यों, पक्षकारों के तर्क, निर्णय और विधि के प्रतिपादित सिद्धान्तो की व्याख्या कीजिए।